pan>

Title: Introduction of the Compulsory Teaching of Indian Spiritual and Human Service Philosophy Education in Educational Institutions Bill, 2018.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि शैक्षणिक संस्थाओं में भारतीय आध्यात्मिक और मानव सेवा दर्शन शास्त्र की शिक्षा का अनिवार्य शिक्षण तथा तत्संसक्त या उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने वाले विधेयक को पुर:स्थापित करने की अनुमति दी जाए।

HON. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

> "That leave be granted to introduce a Bill to provide for the compulsory teaching of Indian Spiritual and Human Service Philosophy Education in educational institutions and for matters connected therewith or incidental thereto."

The motion was adopted.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल : महोदय, मैं विधेयक पुर:स्थापित** करता हूं।